Cambridge Assessment International Education

Cambridge International A Level

HINDI **9687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2022**

INSERT **1 hour 45 minutes**

INFORMATION
- This insert contains the reading passages.
- You may annotate this insert and use the blank spaces for planning. **Do not write your answers** on the insert.

सूचना
- इस अंश वाचन में पाठांश सम्मिलित हैं।
- आप इस अंश वाचन पर अपनी टिप्पणियाँ जोड़ सकते हैं तथा खाली स्थान का उपयोग आयोजन करने के लिए कर सकते हैं। **अपने उत्तर** इस पृष्ठ पर **न लिखें**।

This document has **4** pages. Any blank pages are indicated.

© UCLES 2022

https://xtremepape.rs/

भाग 1

गद्यांश 1 को पढ़ें और **प्रश्न 1, 2** और **3** के उत्तर प्रश्नपत्र पर लिखें।

गद्यांश 1

राष्ट्र-निर्माण में युवा-वर्ग की भूमिका

युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढाँचा हैं। युवावस्था वह समय है जब नवोन्मेषी और रचनात्मक विचार मन में आते हैं। किसी भी देश के युवक-युवतियाँ उसकी शक्ति का अथाह सागर होते हैं और उनमें उत्साह व उमंग का अजस्र स्रोत होता है। आवश्यकता इस बात की है कि उनकी शक्ति का उपयोग सृजनात्मक रूप में किया जाए। उन्हें अपनी बात बोलने, विचारों को साझा करने और प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले, अन्यथा वह अपनी शक्ति को विध्वंसकारी कार्यों में लगा सकते हैं। उनका ज़रा सा भी भटकाव राष्ट्र एवं उनके अपने भविष्य को अनिश्चित कर सकता है।

दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्रता सेनानी नेल्सन मंडेला के अनुसार आज के युवा कल के नेता हैं। वे किसी भी क्षेत्र में कुशल नेतृत्व प्रदान करने में पूर्णत: सक्षम हैं। वर्तमान में वे अनेक देशों एवं व्यावसायिक संगठनों का नेतृत्व सफलतापूर्वक संभाल रहे हैं। सेना में उनकी निर्णायक भूमिका गर्व का विषय है। शायद ही कोई क्षेत्र हो जहाँ युवाओं ने अपनी ऊर्जा और संकल्प के साथ नेतृत्व नहीं किया हो जैसे खेल, कला, साहित्य आदि।

किसी देश की सामाजिक एकता, राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक समृद्धि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को संदर्भित करती हैं। लेकिन यह तभी संभव होगा, जब सभी नागरिक राष्ट्र के विकास में शामिल हों ताकि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यों को युवाओं द्वारा सर्वोत्तम रूप से लागू किया जा सके।

हमारा पालन-पोषण, विकास, ज्ञानार्जन आदि समाज में रहकर ही संभव होता है। अतः एक स्वस्थ समाज ही राष्ट्र को उज्ज्वल भविष्य दे सकता है। युवा सामाजिक बुराइयों जैसे भ्रष्टाचार, असमानता या आतंकवाद के खिलाफ लड़ सकते हैं। वे सोशल मीडिया के प्लेटफार्मों का उपयोग कमजोर वर्ग को शिक्षित कर मुख्य धारा से जोड़ने के लिए करते हैं।

आधुनिक युग विज्ञान का युग है। चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थी औषध और शल्य-चिकित्सा के क्षेत्र में नवीन अनुसंधान कर मानव जीवन को अधिक सुरक्षित और स्वस्थ बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आपातकाल में युवा चिकित्सकों का निडरतापूर्वक सेवाभाव प्रशंसनीय है। इसी प्रकार इंजीनियरिंग में अध्ययनरत युवाओं का विविध प्रकार के कल-कारखानों और यंत्रों आदि के विकास की दिशा में भी अद्भुत योगदान है।

https://xtremepape.rs/

भाग 2

गद्यांश 2 को पढ़ें और **प्रश्न 4** और **5** के उत्तर प्रश्नपत्र पर लिखें।

गद्यांश 2

युवा-वर्ग की चुनौतियाँ

आँखों में उम्मीद के सपने, कुछ कर दिखाने की क्षमता, दुनिया को अपनी मुट्ठी में करने का साहस रखने वाला और राष्ट्र का भविष्य निर्माता युवा दिन प्रतिदिन अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। आधुनिकता की चमक और प्रतियोगिता के दबाव के कारण कुछ युवा तनावग्रस्त होते दिख रहे हैं। अव्यावहारिक शिक्षानीति, सोशल मीडिया, भौतिकतावाद इत्यादि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

आधुनिक शिक्षा-प्रणाली के सामने एक चुनौती सामाजिक परिवर्तन की गति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की है। इस शिक्षा-प्रणाली में युवा पीढ़ी के बौद्धिक विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसा ना होने से कुछ देशों में शिक्षित बेरोज़गारों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। बेरोज़गारी उनमें असुरक्षा की भावना को जन्म देकर उन्हें विकास के पथ से भटका सकती है। आज की शिक्षा नई पीढ़ी को संस्कारों और परम्पराओं की समझ न दे पाने के कारण जीवन मूल्यों को क्षति पहुँचा सकती है।

संचार क्रांति का दुरुपयोग युवाओं के मन-मस्तिष्क पर दुष्प्रभाव डालकर और उन्हें परस्पर प्रतिस्पर्धी बनाकर तनावग्रस्त कर सकता है। दिशाहीनता एवं अनुशासनहीनता के कारण कुछ युवा अपने स्वास्थ्य की ओर भी ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। जहाँ एक ओर धैर्य की कमी, हिंसा की ओर धकेलती है दूसरी ओर, आत्मकेंद्रता लालच व निष्ठुरता की ओर खींचता है जो सामाजिक ढाँचे को गिराने का कारण बन सकती है। राष्ट्र की प्राथमिकता स्वस्थ एवं प्रतिभाशाली युवा होने चाहिए।

यह एक कड़वा सच है कि आज कुछ युवाओं की नकारात्मक सोच के लिए समाज भी ज़िम्मेदार है। कुछ माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, और न जाने, क्या-क्या तो बनाना चाहते हैं, पर उन्हें चरित्रवान और संस्कारवान बनाना भूल जाते हैं। इन परिवेशीय हालात में अंकुरित और पल्लवित नई पीढ़ी को न संस्कारों की खाद मिल पाती है और न ही स्वस्थ विकास के लिए जरूरी वातावरण। मिलते हैं तो केवल प्रदूषित वातावरण और नकारात्मक भावभूमि। वर्तमान स्थिति के लिए स्वार्थ और समझौते ज़िम्मेदार हैं जिनकी वजह से कुछ युवा सिद्धान्तों को छोड़, आदर्शों से किनारा कर नैतिक मूल्य तक दाँव पर लगा देते हैं।

इसका अर्थ यह भी नहीं कि सम्पूर्ण युवा पीढ़ी ही पथभ्रमित है। आज हमारे बहुत से युवा अनेक कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में भी अग्रसर हैं। अब तक हुई राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्रांति की बात करें तो अधिकतर क्रांतियों के नेता युवा रहे हैं। वास्तव में युवा शक्ति के बल पर ही समाज, देश और दुनिया आगे बढ़ सकते हैं, लेकिन इसके लिए उस शक्ति को सुनियोजित करना भी बहुत ज़रूरी है। समाज के सभी युवा इस दिशा में सक्रिय होंगे तो हम बड़ी से बड़ी उपलब्धियाँ भी अर्जित कर सकेंगे।

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2022

https://xtremepape.rs/